1-7-67 ओम् शान्तिः रात्री क्लास

(खास ध्यान से पढ़ने और अमल करने योग्य)

बच्चियाँ सभी को कोचिंग चाहिये। ठीक बहुत चार्ट मिसिंग भी समझने का। फिर जो-2 भी महारथी है वो इकट्ठा आद यह सेमीनार करते है। सेन्टर्स से बुलाकर कर सेमीनार आपस मे करते है, राय करते है कि सर्विस वृधी को कैसे पावें। राजधानी कैसे स्थापन हो। तो जो-2 महारथी है उनको ख्याल करना चाहिये कि सर्विस की वृधी कैसे हो। महारथी अपने-2 सेन्टर्स पर बैठे-2 भी राय भेज सकते है। एक जगह पर सभी इकट्ठे होने पर खर्चा हो जाता है। इससे तो हर एक अपनी राय निकाल कर भेजे कि बाबा यह-2 प्रयत्न होने चाहिये। ऐसे-2 वृधी हो सकती है। बाबा भी प्रयत्न बताते है। सेन्टर कितना बडा है वहाँ पर रूहानी म्यूजियम खोलो। बाहर से भभका करना चाहिये। लिख भी देना चाहिये। चित्र भी अच्छे-2 होने चाहिये। समझाना है कि आकर सृष्टी चक्र की आद मध्य अन्त की नालेज समझो। बेहद के बाप से कैसे वर्सा पा सकते है वो आकर समझो। हर एक बच्चा कोई ना कोई राय निकाल कर घर बैठे ही लिख कर भेजो। यह भी तुम बच्चे ही जानते हो कि राजधानी कैसे स्थापन हो रही है। सदगति करने वाला गुरु किसीको भी कहा नही जा सकता है। कोई आग से पानी से पार करते है तो उसमे फायदा ही क्या। फायदा तो है तुम्हारे पास। बाबा का विचार है कि हर एक सेन्टर पर जो बच्चे है रूहानी म्यूजियम करके से खोल देवें। कि कल्पवाद भारत मे सतयुगी देवी स्वराज्य फिर से कैसे स्थापन हो रहा है वो आकर समझो। सतयुग से कलयुग, कलयुग से फिर सतयुग कैसे होता है वो आकर समझो। समझने मे सतयुग का मालिक बन सकते हो। सेमीनार मे भी तो यही विचार निकालेंगे ना। घर बैठे ही प्वाइन्टस निकाल कर भेजो तो सेमीनार हो जाता है। कोई क्या राय देंगे कोई क्या राय देंगे। घर बैठे ही लिख कर भेजो वो ठीक है। बाबा को सभी लिख कर भेजो फिर बाबा उस पर रोशनी डालेंगे। नौकरी छोड कर कोई आ सके ना आ सके। राय सबकी आवे तो बाबा देखेंगे। फिर तो बाबा मुरली मे भी लिखवा सकते है कि फलाने-2 की यह-2 राय है। यह भी क्लीयर करके लिखना है कि मनमनाभव बाप कहते है कि मुझे याद करो तो ही तुम पावन बन सकते हो। फिर तुम विश्व का मालिक बन जावेंगे। ऐसी ऐसी ऐडवर्टाइजमेंट वैसी ऐसी ड्रामी बन जावेंगे। कलयुग का विनाश सतयुग की स्थापना हो रही है इसलिए अपना जीवन हीरे तुल्य बना लो। ऐसे-2 राय निकालो। सर्जन क्या कर भेज दो तो बाबा भी देखे। जमीन भी ले सकते है। अपने टैन्ट लगा कर प्रदर्शनी भी करो। प्रोजेक्टर शो भी करो। बडे गावों मे तो फिर अब छोटे गांव मे भी जाओ। टैन्टस से काम बहुत होगा। ज्यादा दाम नही खाता है। कहाँ ले जाने लिये ऐलुमीनियम का टैन्ट बना लेना चाहिये। ऐसे-2 राय निकालनी चाहिये। हर एक महारथी थोडे समय ज्यादे का पता पड जाता है। बहुत है जिनके तो ख्यालात ऐसे-2 कब चलते है नही है। गैलरी वाले आदि वाले होते है तो उनको बहुत ख्यालात चलती है। श्मशान मे भी तुम तो दो चार मुख्य चित्र लेकर समझा सकते हो। मुख्य चित्र भी यह है। त्रिमूर्ती के चित्र और झाड मे भी कुछ है। समझाना तो इजी ही है। कोई भी सर्विस पर जाने लिये तैयार होवे तो लिख कर भेजे। चित्रो पर समझाना तो बहुत सहज है। कोई म्यूजियम मे आकर बोले तो कहो कि सर्व का सदगति दाता तो शिव बाबा है। मनुष्य तो मनुष्य की सदगति कर ही नही सकते है। सिवाय एक रूहानी बाप के। शान्तिःधाम सुखधाम और यह है दुःखधाम। कोई भी शान्तिःधाम सुखधाम मे जाना चाहे तो आकर समझे। सुखधाम की अब स्थापना हो रही है। आदी सनातन देवी देवता धर्म की स्थापना हो रही है। जितना जो करेंगे उतना ही उनको फायदा है। हप-डप ज्ञान नही है यह। बहुत शान्तिः से समझना होता है। दुनियाँ जो-2 काम करती रहती है वो तुमको नही करने है। कान मे फूक देनी है। याद की यात्रा भी अच्छी चाहिये। नही तो उनका तीर लगता है नही। बाबा जानते है कि याद की यात्रा मे बहुत-2 कच्चे है। इसलिये ही सर्विस की वृधी को नही पाती जा रही है। अच्छा बच्चों गुडनाईट